PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Wednesday, 31st March 2010, Page: 3
Width: 24.35 cms Height: 12.09 cms, Ref: pmin.2010-03-31.56.29

नाइपर से छोटी व मझोली दवा कंपनियों को मिलेगी 50 फीसदी छूट पर सुविधाएं

एसएमई को सस्ती तकनीक देने की तैयारी

फैसला

छोटी व मझोली दवा कंपनियों को सस्ती दरों पर प्रौद्योगिकी व ट्रेनिंग की सुविधा देने के लिए चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी एसएमई के लिए जीएमपी जैसे मुद्दों पर नए ट्रेनिंग दिशानिर्देश तैयार करेगी। इसे12 अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट देनी है।

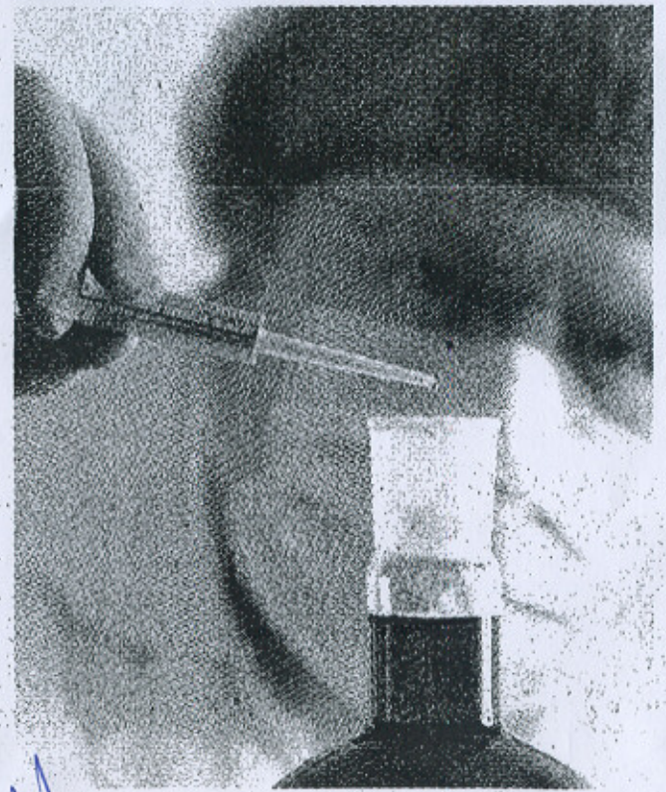

अनुराग शर्मा ◆ नई दिल्ली

छोटी और मझोली दवा कंपनियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की गुड मैन्युफक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) के अनुरुप बनाने के मकसद से पंजाब के मोहाली स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल्स एंड रिसर्च (नाइपर) ने 50 फीसदी की छूट पर प्रौद्योगिकी और ट्रेनिंग उपलब्ध कराने की तैयारी पूरी कर ली है। इसी उद्देश्य के लिए नाइपर में तैयार स्मॉल एंड मीडियम फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री सेंटर (एसएमपीआईसी) ने कार्य शुरु कर दिया है। छोटी और मझोले उपक्रमों (एसएमई) को ट्रेनिंग की प्रमुख दिक्कतें पेश आती हैं, इसी के निवारण के लिए एसएमपीआईसी ट्रेनिंग देने का कार्य करेगा। एसएमपीआईसी के चेयरमैन ललित कुमार जैन का कहना है कि 26 मार्च 2010 को संपन्न हुई बैठक में चार सदस्य कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी एसएमई के लिए जीएमपी जैसे मुद्दों पर नए ट्रेनिंग दिशानिर्देश तैयार करेगी। यह कमेटी अपनी रिपोर्ट 12 अप्रैल 2010 तक अपनी रिपोर्ट दे देगी।

इसके अलावा नाइपर भी संस्थान में बायोइक्विलेंस (बीई) अध्ययन के खाली पड़े पदों को भरने के लिए कार्रवाई शुरु कर रही है। एसएमपीआईसी ने आने वाले समय में ट्रेनिंग के विषयों से लेकर ट्रेनिंग के शिड्यूल को भी तय कर लिया है। एसएमपीआईसी का गठन निजी और सरकारी क्षेत्र के बीच भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। एसएमपीआईसी के द्वारा नाइपर के विशेषज्ञों की मदद के एसएमई को अच्छी गुणवत्ता और सस्मी दवाओं के उत्पादन करने के लिए तैयार करना है। इस केंद्र के तहत नाइपर द्वारा एसएमई को दी जाने वाली सभी सेवाओं और परियोजनाओं में 50 फीसदी की छूट दी जाएगी। पिछले वर्ष फरवरी में इस योजना की स्थापना की गई थी, परंतु इसपर करीब सालभर कोई काम नहीं हो पाया था। लेकिन अब एसएमपीआईसी द्वारा कार्य शुरु किए जाने के साथ एसएमई दवा कंपनियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने की उम्मीद है।

बात पते की

पिछले वर्ष फरवरी में इस योजना की स्थापना की गई थी, परंतु इसपर करीब सालभर कोई काम नहीं हो पाया था। लेकिन अब एसएमपीआईसी द्वारा कार्य शुरु किए जाने के साथ एसएमई दवा कंपनियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने की उम्मीद है।